इंचक्कडु रामचन्द्रन पिल्लई
अकादेमी पुरस्कार: कथकलि

INCHAKKADU RAMACHANDRAN PILLAI
Akademi Award: Kathakali

केरल के कोल्लम जिले में 21 मार्च 1949 को जन्मे, श्री इंचक्कडु रामचन्द्रन पिल्लई ने पारम्परिक गुरुकुलम प्रणाली से कीरिक्कडु शंकर पिल्लई, मुथुपिलक्कडु कुट्टन पिल्लई, और मनकुलम विष्णु नामपूथिरी जैसे प्रतिष्ठित गुरुओं के मार्गदर्शन में कथकलि नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

श्री इंचक्कडु रामचन्द्रन पिल्लई को आज एक उत्कृष्ट वेशम कलाकार के रूप में जाना जाता है, जो लगभग सभी पच्चा और काठी भूमिकाओं में उत्कृष्टता रखते हैं। आपने विशेष रूप से नल, अर्जुन, भीम, दक्ष, कृष्ण और दुर्योधन की भूमिकाओं के लिए लोकप्रियता अर्जित की है। आपने फ्रांस, जर्मनी और जापान सहित कई देशों में कथकलि कार्यशालाओं का प्रदर्शन और संचालन किया है। श्री इंचक्कडु रामचन्द्रन पिल्लई मार्गी कथकलि स्कूल से सन् 1974 में एक शिक्षक के रूप में जुड़े और सन् 2010 में प्रिंसिपल के पद से सेवानिवृत्त हुए।

श्री इंचक्कडु रामचन्द्रन पिल्लई को कथकलि के क्षेत्र में योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिसमें केरल कलामंडलम पुरस्कार (2004)य केरल संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2011)य और केरल कलामंडलम फैलोशिप (2019) प्रमुख हैं।

श्री इंचक्कडु रामचन्द्रन पिल्लई को कथकलि में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 21 March 1949 in Kollam district, Kerala, Shri Inchakkadu Ramachandran Pillai was groomed in Kathakali in the traditional Gurukulam system under several eminent gurus like Keeri Kkadu Sankara Pillai, Muthupilakkadu Kuttan Pillai, and Mankulam Vishnu Nampoothiri.

Shri Inchakkadu Ramachandran Pillai is known today as an outstanding Vesham artist who excels in almost all the Paccha and Kathi roles. He has gained popularity particularly for his performance in the roles of Nala, Arjuna, Bhima, Daksha, Krishna, and Duryodhana. He has performed and conducted Kathakali workshops in several countries including France, Germany and Japan. Shri Inchakkadu Ramachandran Pillai joined the Margi Kathakali School as a teacher in 1974 and retired as Principal in 2010.

Shri Inchakkadu Ramachandran Pillai has been conferred honours for his work including the Kerala Kalamandalam Award (2004); Kerala Sangeetha Nataka Akademi award (2011); and Kerala Kalamandalam Fellowship (2019).

Shri Inchakkadu Ramachandran Pillai receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for his contribution to Kathakali.